कानपुर, बुधवार, 21 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 23, पृष्ठः 8+4
प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड सुनीता विलियम्स ने नासा को कहा अलविदा...>Pg12

पीएचडी शोधार्थी ईश्वराम की मौत से फिर उठे सवाल...> Pg03

मूल्य: 2 ₹

संभल हिंसा के मास्टरमाइंड शारिक साठा की बेशकीमती संपत्ति कुर्क

भारत का कुख्यात ऑटो लिफ्टर, नेटवर्क और मददगारों पर भी कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

संभल। संभल हिंसा के मास्टरमाइंड और कुख्यात अपराधी शारिक साठा के खिलाफ आज कानून ने बड़ा कदम उठाया है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस-प्रशासन ने उसकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मजिस्ट्रेट टीम की मौजूदगी में यह कार्रवाई नखासा थाना क्षेत्र के मोहल्ला हिंदूपुरा खेड़ा स्थित शारिक के ठिकानों पर की जा रही है। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

एसपी केके विश्नोई ने बताया कि शारिक साठा के खिलाफ पहले ही धारा 84 के तहत उद्घोषणा जारी की गई थी, लेकिन तय समयसीमा के भीतर वह अदालत में पेश नहीं हुआ। इसके बाद न्यायालय ने उसकी संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए, जिसके तहत आज यह कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। एसपी ने शारिक साठा को आईएसआई के लिए भी काम करने की बात कही है।

⇨ **दुबई से रची गई थी हिंसा की साजिश, कोर्ट के आदेश पर हुई कुर्की**

फरारी, फर्जी पासपोर्ट और दुबई कनेक्शन

पुलिस और एसआईटी की जांच में सामने आया है कि शारिक साठा वर्ष 2020 से भारत से बाहर है। दिल्ली जेल से रिहा होने के बाद उसने फर्जी पासपोर्ट बनवाया और दुबई फरार हो गया। जांच एजेंसियों का दावा है कि वह विदेश में बैठकर अपने आपराधिक नेटवर्क का संचालन कर रहा था और संभल में हुई हिंसा की साजिश भी उसी ने दुबई से रची थी।

मददगारों पर भी शिकंजा

आज की कार्रवाई के दौरान पुलिस की नजर सिर्फ शारिक की संपत्ति पर ही नहीं, बल्कि उसके पूरे नेटवर्क पर है। नखासा पुलिस और एसआईटी उन लोगों की पहचान और जांच कर रही है, जो उसे भारत और विदेश में रहकर मदद पहुंचा रहे थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में आगे और गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि शारिक साठा की गिरफ्तारी और उसके पूरे गिरोह के खात्मे तक यह अभियान थमेगा नहीं।

ऑटो लिफ्टिंग का 'डॉन' बताया जाता है शारिक

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार शारिक साठा को देश का सबसे बड़ा ऑटो लिफ्टर माना जाता है। आरोप है कि उसका गिरोह हर साल करीब 300 गाड़ियों की चोरी करता था। उसके खिलाफ कई राज्यों में गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई पहले ही उसके खिलाफ परमानेंट वारंट और इंटरपोल के जरिए रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया की जानकारी दे चुके हैं।

पुलिस का स्पष्ट कहना है कि शारिक साठा की गिरफ्तारी और उसके पूरे गिरोह के खात्मे तक यह अभियान थमेगा नहीं।

- ☛ कोर्ट के आदेश पर शारिक साठा की संपत्ति कुर्क
- ☛ मजिस्ट्रेट टीम और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई
- ☛ अदालत में पेश न होने पर शुरू हुई कुर्की प्रक्रिया
- ☛ फर्जी पासपोर्ट के जरिए दुबई फरार होने का आरोप
- ☛ दुबई से संभल हिंसा की साजिश रचने का दावा
- ☛ देश का कुख्यात ऑटो लिफ्टर, सैकड़ों गाड़ियों की चोरी के आरोप
- ☛ रेड कॉर्नर नोटिस और परमानेंट वारंट की तैयारी
- ☛ मददगारों और पूरे नेटवर्क पर पुलिस की कड़ी नजर

सभी निर्माणाधीन साइटों की हो सुरक्षा ऑडिट: योगी

नोएडा हादसा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नोएडा। नोएडा में हुई घटना को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती सामने आई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर गठित विशेष जांच दल (स्ढ्ढञ्ज) ने नोएडा प्राधिकरण कार्यालय में समीक्षा बैठक कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। स्ढ्ढञ्ज को 5 दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट शासन को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

जांच में सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर एम्सड विशटाउन प्रा. लि. और लोटस ग्रीन के खिलाफ स्नढ्ढक्रदर्ज की गई है। एम्सड विशटाउन परियोजना के मालिक अभय कुमार को हिरासत में लिया गया है। वहीं, लापरवाही के आरोप में नोएडा प्राधिकरण के एक जूनियर इंजीनियर को निलंबित कर दिया गया है, जबकि अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।

⇨ **एसआईटी जांच तेज , बिल्डरों पर एफआईआर, एक जेई निलंबित, अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस**

सुरक्षा में लापरवाही उजागर

एसआईटी की प्रारंभिक जांच में घटनास्थल पर बैरिकेडिंग और सुरक्षा इंतज़ामों की भारी कमी सामने आई है। इसके बाद प्रशासन ने घटनास्थल और आसपास के खतरनाक गड्ढों पर स्थायी बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेत, रिफ्लेक्टिव मार्कर और प्रकाश व्यवस्था तत्काल लगवाई है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नोएडा की सभी निर्माणाधीन और अधूरी साइटों की सुरक्षा ऑडिट कराने के आदेश दिए गए हैं। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली साइटों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। बिल्डरों और प्लॉट-मालिकों को सुरक्षा मानकों को लेकर नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही प्रशासन ने नागरिकों की सहभागिता के लिए व्हाट्सएप/हेल्पलाइन नंबर 92055 59204 जारी किया है। नागरिक खतरनाक स्थानों की फोटो और लोकेशन भेज सकेंगे, जिस पर 24 घंटे के भीतर निरीक्षण और कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश होकर तालाब में गिरा

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार दोपहर एयरफोर्स का एक ट्रेनिंग माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद वह हवा में डगमगाने लगा और केपी कॉलेज के पीछे स्थित एक तालाब में जा गिरा। हादसे में दोनों पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं।

डिफेंस विंग के पीआरओ विंग कमांडर देबार्थो धर ने बताया कि उड़ान के दौरान विमान में तकनीकी खामी सामने आई थी। पायलटों ने सूझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को सुनसान इलाके की ओर मोड़ा, जिससे किसी भी तरह की जनहानि या संपत्ति का नुकसान नहीं हुआ। हादसे के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। यह दुर्घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई। जिस स्थान पर विमान गिरा, वहां आसपास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं, जबकि माघ मेले का क्षेत्र भी करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर है।

सामूहिक विवाह समारोह में अव्यवस्था पर सख्त कार्रवाई

- » आयोजनकर्ता फर्म ब्लैकलिस्ट, पांच साल तक सरकारी काम पर रोक
- » निविदा शर्तों के उल्लंघन पर फर्म की सिक्योरिटी जब्त
- » स्वराज इंडिया अखबार ने सामूहिक विवाह समारोह में अव्यवस्थाओं को लेकर उठाए थे सवाल

स्वराज इंडिया

सीएम सामूहिक विवाह योजना में भ्रष्टाचार पर ठेकदार को नोटिस जारी

स्वराज इंडिया

कानपुर सिटी

कानपुर में सामूहिक विवाह आयोजन में बड़ा घोटाला

खाने से लेकर लड्डुओं तक में भारी कटौती, जांच में खुली पोल

स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर

दीवाल घड़ी मानक के अनुरूप नहीं

1.40 लाख रुपये की होगी कटौती

जांच में उपहार सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हुए हैं। एम/एस नेशनल को-ऑपरेटिव कंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा आपूर्ति की गई दीवार घड़ियां निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं।

दीवाल घड़ी वितरण में 1 लाख 40 हजार रुपये की गड़बड़ी सामने आने पर रकम संबंधित फर्म के भुगतान से सीधे काटी जाएगी।

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 11 दिसंबर 2025 को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सामने आई अव्यवस्था पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जांच के बाद आयोजन कराने वाली फर्म को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है और उस पर आगामी पांच वर्षों तक किसी भी सरकारी विभाग में काम करने पर रोक लगा दी गई है। मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने बताया कि कार्यक्रम के दिन अव्यवस्थाएं सामने आने पर अपर जिलाधिकारी नगर की अध्यक्षता में चार सदस्यीय संयुक्त जांच समिति का गठन किया गया था। समिति की रिपोर्ट में आयोजन से जुड़ी कई गंभीर कमियां सामने आईं, जिनके आधार पर यह कार्रवाई की गई।

जांच में पाया गया कि 635 वैवाहिक जोड़ों के लिए जारी कार्यादेश के बावजूद मौके पर उपस्थित 561 जोड़ों और उनके परिजनों के लिए व्यवस्थाएं नाकाफी थीं। करीब 12,342 लोगों की मौजूदगी के मुकाबले फर्म ने केवल 2100 से 2300 लोगों के लिए ही भोजन की व्यवस्था की थी, वह भी तय मेनू के अनुसार नहीं थी। बैठने, जलपान और अन्य सुविधाओं को लेकर परिजनों को परेशानी उठानी पड़ी।पूजन सामग्री और आयोजन प्रबंधों में भी भारी कमी सामने आई। तय संख्या के मुकाबले वेदियां कम रहीं, फोटोग्राफरों की संख्या बेहद कम पाई गई और जयमालाओं, लड्डू तथा ड्राई फ्रूट्स में भी कमी दर्ज की गई। पंडाल छोटा रहा और कुर्सियों की संख्या जरूरत से काफी कम थी। एलईडी स्क्रीन, सजावट, बैनर और स्टैंडी जैसी व्यवस्थाएं भी अधूरी रहीं। संयुक्त जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि फर्म द्वारा की गई व्यवस्थाएं कुल आवश्यकता की तुलना में केवल लगभग 45 प्रतिशत ही थी। इसी लापरवाही के कारण सामूहिक विवाह कार्यक्रम वैवाहिक जोड़ो तथा उनके परिजनों को बैठने, भोजन और जलपान के लिए भटकना पड़ा और अव्यवस्था हुई। फर्म द्वारा बिल प्रस्तुत करने पर कमियों के सापेक्ष कटौती करने के बाद ही भुगतान किया जाएगा।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के अनुमोदन के बाद आयोजनकर्ता फर्म नेशनल फेडरेशन ऑफ फार्मर्स प्रोक्योरमेंट, प्रोसेसिंग एंड रिटेलिंग कोऑपरेटिव्स ऑफ इंडिया लिमिटेड को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। प्रशासन ने साफ संदेश दिया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं में लापरवाही और गड़बड़ी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रशासन ने सख्त कार्रवाई से हड़कंप

आयोजनकर्ता फर्म नेशनल फेडरेशन ऑफ फार्मर्स प्रोक्योरमेंट, प्रोसेसिंग एंड रिटेलिंग कोऑपरेटिव्स ऑफ इंडिया लिमिटेड ब्लैकलिस्ट

- आगामी पांच वर्षों तक किसी भी सरकारी विभाग में काम पर रोक
- आयोजन से जुड़े सभी बिलों का भुगतान रोका गया
- दीवाल घड़ी वितरण में 1.40 लाख रुपये की रकम भुगतान से कटेगी
- निविदा शर्तों के तहत सुरक्षा राशि और ईपीबीजी जब्त करने की कार्रवाई
- फर्म द्वारा बिल प्रस्तुत करने पर कमियों के सापेक्ष कटौती करने के बाद ही होगा भुगतान
- शेष 398 सामूहिक विवाहों के लिए पुराना ई-टेंडर निरस्त
- आयोजन के लिए नई ई-टेंडर प्रक्रिया अपनाने के निर्देश

जांच में सामने आई ये कमियां

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 12,342 लोगों की अपेक्षित मौजूदगी के मुकाबले केवल 2100-2300 लोगों के लिए भोजन

- भोजन तय मेनू के अनुसार नहीं
- 561 जोड़ों के लिए केवल 370 वेदियां और पूजन सामग्री
- तय 25 फोटोग्राफरों की जगह सिर्फ 2 फोटोग्राफर
- लड्डू और ड्राई फ्रूट्स की मात्रा कम
- जयमालाओं की संख्या मानक के अनुरूप नहीं
- पंडाल छोटा, बैठने के लिए केवल लगभग 3000 कुर्सियां
- एलईडी स्क्रीन और सजावट की व्यवस्था अधूरी
- जांच समिति के अनुसार फर्म द्वारा की गई व्यवस्थाएं कुल आवश्यकता की तुलना में केवल लगभग 45 प्रतिशत ही पायी

आईजीआरएस: सीएमओ समेत 22 आलाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

आईजीआरएस की गिरती रैंक पर सख्त कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।आईजीआरएस में रुचि न लेने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाया है।जिले की रैक खराब होने पर डीएम ने 22 अफसरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अधिकांश मामलों में शिकायतकर्ताओं से संपर्क नहीं किया गया। फीडबैक में स्थिति खराब होने से जिले की रैंक बिगड़ी है। इसमे नगर निगम, केडीए, जलकल और केस्को आदि विभाग हर महीने फीडबैक में खराब निकलते है। इसके बावजूद इनको सिर्फ पत्र भेजकर खानापूर्ति होगी। एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार ने बताया कि खराब फीडबैक की वजह से जिले की रैंक बिगड़ी है। 22 अफसरों ने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया है। कई मामलों मं शिकायकर्ताओं से बात तक नहीं की गई है। इसलिए 22 को नोटिस जारी किया गया है।

इन विभागों को जारी किया गया नोटिस

1. अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण)-
2. बेसिक शिक्षा अधिकारी-
3. खण्ड विकास अधिकारी कल्यानपुर-
4. विकास प्राधिकरण-
5. जिला विद्यालय निरीक्षक-
6. मुख्य चिकित्साधिकारी-
7. सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम-
8. प्रभागीय वन अधिकारी-
9. उपनिदेशक कृषि विभाग-
10. नगर निगम
11. सहायक श्रमायुक्त-
12. अधिशासी अभियन्ता दक्षिणांचल वि0वि0नि0लि0-
13. जिला प्रोबेशन अधिकारी-
14. केस्को,
15. जिला कार्यक्रम अधिकारी-
16. सामान्य प्रबन्धक उद्योग-
17. जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी-
18. उप्र जल निगम नगरीय-
19. सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता-
20. मुख्य चिकित्साधिकारी पशुपालन-
21. उपजिलाधिकारी सदर-

दुकान का शटर काटकर लाखों की चोरी, पीड़ित को चौकी पर लटका मिला ताला

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र के रामगोपाल चौराहे पर स्थित सूरज स्वीट्स के बगल में स्थित पान की दुकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी हुई है। पीड़ित सूचना देने गुजैनी चौकी पहुंचा, तो वहां ताला लगा मिला।

कानपुर के गुजैनी थाना क्षेत्र में चोरों ने पुलिस पिकेट के ठीक सामने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। रामगोपाल चौराहे पर स्थित सूरज स्वीट्स के बगल में एक पान की दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपये का माल साफ कर दिया। चोरी की जानकारी मिलते ही पीड़ित दुकानदार आनन फानन शिकायत दर्ज कराने गुजैनी चौकी पहुंचा।

पीड़ित का आरोप है कि चौकी पर ताला लगा हुआ था और कोई भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। पुलिस की इस कार्यप्रणाली और लापरवाही से पीड़ित और स्थानीय व्यापारियों में भारी रोष है। आगे बताया कि चोर दुकान का ताला तोड़कर अंदर रखे कीमती सामान, सिगरेट के कार्टन और नकदी समेत लाखों का माल बटोर ले गए हैं।

दो साल में 9वीं आत्महत्या, पीएचडी शोधार्थी ईश्वराम की मौत से फिर उठे सवाल

22 जनवरी को एनएचआरसी कोर्ट में आईआईटी को देना होगा जवाब, व्यवस्था पर याची ने उठाए गंभीर सवाल

आईआईटी कानपुर

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया न्यूज

कानपुर। आईआईटी कानपुर में छात्रों की आत्महत्या का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते दो वर्षों में यह नौवीं घटना है। मंगलवार को अर्थ साइंस में पीएचडी कर रहे 25 वर्षीय शोधार्थी स्वरूप ईश्वराम की मौत ने एक बार फिर संस्थान की मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस बीच, आत्महत्या की घटनाओं को लेकर 22 जनवरी को आईआईटी कानपुर को एनएचआरसी कोर्ट में जवाब देना है।

राजस्थान के चुरु निवासी शोधार्थी ईश्वराम ने हॉस्टल की छठी मंजिल से कूदकर दी जान

मंगलवार दोपहर शोधार्थी ईश्वराम ने हॉस्टल की छठी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही आईआईटी कर्मी उन्हें गुरुदेव स्थित निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। ईश्वराम न्यू एसबीआरए बिल्डिंग में पत्नी मंजू और दो वर्षीय बेटी के साथ रहते थे।

मृतक मूल रूप से राजस्थान के चुरू जिले के निवासी थे, पिता राम प्रताप। वे जुलाई 2023 से आईआईटी कानपुर में पीएचडी कर रहे थे।

प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस के मुताबिक मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि छात्र एंजायटी की बीमारी से जूझ रहे थे और इलाज चल रहा था। परिजनों को सूचना दे दी गई है, तहरीर मिलने पर आगे की जांच होगी। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी और मासूम बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के लोग भी बुधवार को आ गए।

दो साल में इन छात्रों ने दुनिया को कहा अलविदा

पीएचडी छात्र ईश्वराम

अगस्त 2025 - सॉफ्टवेयर डेवलपर दीपक चौधरी

अक्टूबर 2025 - बीटेक अंतिम वर्ष छात्र धीरज सैनी

दिसंबर 2025 - बीटेक छात्र जयसिंह मीणा

दिसंबर 2023 - शोध सहायक स्टाफ डॉ. पल्लवी चिल्का

जनवरी 2024 - एमटेक छात्र विकास मीणा

जनवरी 2024 - पीएचडी छात्रा प्रियंका जायसवाल

अक्टूबर 2024 - पीएचडी छात्रा प्रगति

फरवरी 2025 - पीएचडी रिसर्च स्कॉलर अंकित यादव

ईश्वराम की मौत की रिपोर्ट भी एनएचआरसी को भेजी

केशवपुरम निवासी सोशल एक्टिविस्ट एवं इंजीनियर पंकज कुमार सिंह की रिट पर एनएचआरसी में सुनवाई चल रही है। रिट में विगत 19 वर्षों में आईआईटी में हुई आत्महत्याओं की जांच, पीड़ित परिवारों को न्याय और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। एनएचआरसी ने मानव संसाधन मंत्रालय (शिक्षा), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव और आईआईटी कानपुर के निदेशक को नोटिस जारी किया है। आईआईटी द्वारा दिए गए 18 बिंदुओं के जवाब पर याची ने आपत्ति जताते हुए कहा कि दावे नीतिगत व घोषणात्मक हैं, जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाते। 29 दिसंबर 2025 को बीटेक छात्र जयसिंह मीणा की आत्महत्या की रिपोर्ट एनएचआरसी ने 8 जनवरी को स्वीकार की थी। अब ईश्वराम की मौत की रिपोर्ट भी एनएचआरसी को भेजकर जांच की मांग की गई है। आत्महत्या की घटनाओं को लेकर 22 जनवरी को आईआईटी कानपुर को एनएचआरसी कोर्ट में जवाब देना है। वहीं संस्थान का दावा है कि मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र 24 घंटे सक्रिय है।

दो वर्ष में आईआईटी कानपुर में हुई आत्महत्या

- 19 दिसंबर 2023- शोध सहायक स्टाफ डॉ. पल्लवी चिल्का
- 10 जनवरी 2024- एमटेक छात्र विकास मीणा
- 18 जनवरी 2024- पीएचडी छात्रा प्रियंका जायसवाल
- 10 अक्टूबर 2024- पीएचडी छात्रा प्रगति
- 10 फरवरी 2025- पीएचडी रिसर्च स्कॉलर अंकित यादव
- 25 अगस्त 2025- सॉफ्टवेयर डेवलपर दीपक चौधरी
- 01 अक्टूबर 2025- बीटेक अंतिम वर्ष छात्र धीरज सैनी
- 29 दिसंबर 2025- बीटेक अंतिम वर्ष छात्र जयसिंह मीणा
- 20 जनवरी 2026- पीएचडी छात्र स्वरूप ईश्वराम

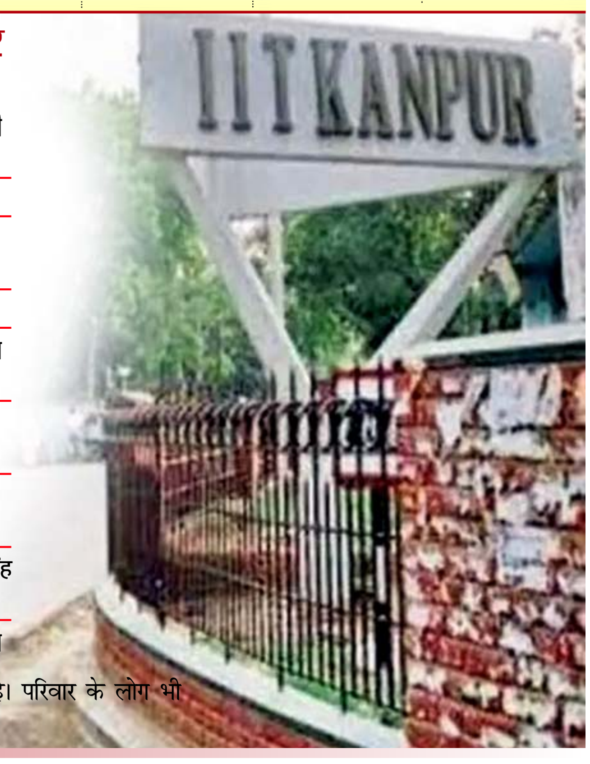

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई दो छात्रों की दर्दनाक मौत

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में मंगलवार आधी रात के बाद दर्दनाक सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। पार्टी से लौट रहे दोस्तों की कार कल्याणपुर थाना क्षेत्र के पनकी रोड पर अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बी-फार्मा के दो छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा आवास विकास-3 के पास उस समय हुआ, जब स्विफ्ट डिजायर कार तेज रफ्तार में पनकी से कल्याणपुर की ओर जा रही थी। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में कार की रफ्तार और टक्कर की भयावहता साफ देखी जा सकती है। कार में चार दोस्त सवार थे, जो सभी कन्नौज जिले के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान इंदरगढ़ निवासी प्रथम पांडेय (24) और सौरिख निवासी आकाश यादव (25) के रूप में हुई है। प्रथम पांडेय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आकाश यादव ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे में पनियारी निवासी सत्यम पाल और इंदरगढ़ निवासी आर्यन यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

- **सीसीटीवी में कैद भीषण हादसा, स्विफ्ट कार के उड़ गए परखच्चे**
- **सीसीटीवी फुटेज में कार की रफ्तार, टक्कर की भयावहता दिखी**

पुलिस पूछताछ में घायल आर्यन ने बताया कि सभी दोस्त नारायणा में पढ़ने वाले एक मित्र से मिलने गए थे। होटल में साथ खाना खाने के बाद चारों एक ही कार से लौट रहे थे। पनकी नहर पार करने के कुछ ही देर बाद कार का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे पेड़ से जा टकराई। कार पनकी के महावीर पुरम निवासी कृष्ण मोहन के नाम रजिस्टर्ड बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार सामने आई है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।

प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग लाखों का सामान जलकर राख

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के दादानगर इलाके में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब दादानगर इलाके में एक प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। फैक्ट्री में प्लास्टिक से जुड़े उत्पादों का निर्माण होता था। आग लगते ही कुछ ही देर में लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया।

आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि फैक्ट्री के बाहर खड़ी कई गाड़ियां भी इसकी चपेट में आ गईं और उन्हें भारी नुकसान पहुंचा। आग का धुआं दूर-दूर तक फैल गया, जिससे आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या इसके पीछे कोई अन्य वजह है। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

- **दमकल की आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू**

अमर शहीद हेमू कल्याणी को शहीद दिवस पर दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अमर शहीद हेमू कल्याणी की शहादत की स्मृति में 21 जनवरी 1943 के अवसर पर शहीद दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन श्री झूलेलाल शिव मंदिर, 13 ब्लॉक गोबिंदनगर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान अमर शहीद हेमू कल्याणी अमर रहें के उद्घोष से मंदिर प्रांगण गूंज उठा। इस अवसर पर अमर शहीद हेमू कल्याणी की प्रतिमा पर समाज के लोगों ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए और श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने उनके बलिदान को याद करते हुए कहा कि हेमू कल्याणी का जन्म 23 मार्च 1923 को सुकुर, सिंध प्रांत अखंड भारत में हुआ था। बचपन से ही उनमें देशभक्ति की भावना प्रबल थी।

बताया गया कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष के दौरान जब हथियारों से भरी ट्रेन उनके क्षेत्र से गुजरने वाली थी, तब उन्होंने देशहित में रेलवे की पटरियां उखाड़ दी थीं। इसी कारण ब्रिटिश शासन ने उन्हें 21 जनवरी 1943 को फांसी दे दी। उन्होंने हंसते-हंसते देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

वक्ताओं ने कहा कि देश कभी भी उनके बलिदान को नहीं भूल सकता। कार्यक्रम के दौरान शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा, जैसी पंक्तियों के माध्यम से शहीदों को नमन किया गया।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्यामलाल मूलचंदानी अध्यक्ष, सुरेश कटारिया, महेश मनचंदा, डॉ सुरेश मदान, डॉ सुरेश आहूजा, डॉ अशोक पाहूजा, बंटी सिधवानी, संजू डाबरानी, नरेश फूलवानी, चंद्रभान मोहनानी, मुरारी लाल चुग, बिहारी लाल बजाज, बलराम कटारिया, गणेश बजाज, मनोज लालवानी, अनिल डाबरानी, सुरेश धमीजा, दिनेश कटारिया, विनोद मूर्जनी, मोहन मुकेश, अमित कटारिया, पूरन बजाज, हरिराम गंगवानी, सुनील अलवानी, लक्ष्मण दास, संजय चुग, राजकुमार मोटवानी, मनोज धमीजा, राजा मनवानी, रमेश मुरझानी, ललित श्यामदासानी, अमित खत्री, बलवंत मखीजा, श्याम बिजलानी, महेश मखीजा, विश्वनाथ आहूजा, कैलाश नहलानी, अनिल डोडवानी, गौरव शिवानी, पण्डित माधव, प्रियंका आहूजा, दीपा रुपानी, पूनम चुग, मंजू खत्री, रोमा डबरानी, हेमा शर्मा, ज्योति गेरा, शीतल गेरा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

अवैध प्लाटिंग पर केडीए का बड़ा एक्शन जारी

सिहंपुर कछार में लगभग 07 बीघा क्षेत्र ध्वस्त, आगे भी चलेगा अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर ।कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध एवं अनाधिकृत प्लाटिंग के विरुद्ध सख्त कार्यवाही लगातार जारी है। प्रवर्तन जोन-1बी की टीम ने सिहंपुर कछार क्षेत्र में बड़ी ध्वस्तीकरण कार्यवाही करते हुए लगभग 07 बीघा भूमि पर विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया।

उक्त कार्यवाही उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देशन में विशेष कार्याधिकारी एवं उप जिलाधिकारी डा रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। अभियान के दौरान क्षेत्रीय अवर अभियन्ता हिमांशु बर्नवाल,

सुपरवाइजर अनिल शर्मा, राम औतार, मनोज तथा थाना बिठूर का पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा।प्राधिकरण की टीम ने सिहंपुर कछार ग्राम की आराजी संख्या 787 एवं अन्य में लगभग 04 बीघा तथा आराजी संख्या 788 एवं अन्य में लगभग 03 बीघा क्षेत्रफल में विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। यह प्लाटिंग बिना प्राधिकरण से ले-आउट मानचित्र स्वीकृत कराए एवं बिना अनुमति के विकसित की जा रही थी।

डा रवि प्रताप सिंह ने बताया कि थाना कल्यानपुर एवं बिठूर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में लगभग 05 बीघा क्षेत्रफल की अन्य अवैध प्लाटिंग को भी चिन्हित कर लिया गया है, जिनके विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्यवाही प्रचलित है।प्राधिकरण द्वारा आम जनमानस से अपील की गई है कि भूमि क्रय करने से पूर्व कानपुर विकास प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें तथा भवन निर्माण से पहले मानचित्र स्वीकृत कराना सुनिश्चित करें, जिससे भविष्य में आर्थिक एवं मानसिक क्षति से बचा जा सके।केडीए प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और किसी भी प्रकार की अनधिकृत गतिविधि पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कपली गांव में अवैध प्लाटिंग ध्वस्त

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माण और प्लाटिंग के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रवर्तन जोन-2ए, कानपुर नगर के अंतर्गत ग्राम कपली में अवैध प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।प्रवर्तन जोन-2ए के जोनल प्रभारी संदीप मोदनवाल के नेतृत्व में आराजी संख्या 230, ग्राम कपली, कानपुर नगर में लगभग 2.00 बीघा क्षेत्रफल में राज कुमार व अन्य द्वारा की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान प्रभारी अधिकारी तथा अवर अभियंता अनीश यादव के साथ प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा। प्राधिकरण की टीम द्वारा क्षेत्र में संचालित अन्य अवैध प्लाटिंग को भी चिन्हित किया जा रहा है, जिनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए ध्वस्तीकरण किया जाएगा। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि अवैध प्लाटिंग और निर्माण के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सम्पादकीय

हरियाणा की सुरक्षा के लिये प्रशिक्षित जवान

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे-धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़,भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अग्निकांडों व रासायनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। माना जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी। लेकिन मदद के लिये पहुंची टीम के पास इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये जरूरी उपकरण व अनुभव नहीं था। ऐसे में युवा इंजीनियर ने पिता के सामने ही डूबकर दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद तमाम लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आपदा राहत बल को प्रशिक्षित करने और जीवन रक्षा के तमाम उपकरण उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में हरियाणा में एसडीआरएफ बटालियन के गठन और उसमें प्रशिक्षित व अनुभवी अग्निवीरों की तैनाती की घोषणा के बाद उम्मीद जगी है कि हरियाणा की सुरक्षा कुशल हाथों में रहेगी। तब प्राकृतिक, औद्योगिक व आगजनी आदि की घटनाओं में जन-क्षति को कम करने में मदद मिल सकेगी। हालांकि, अब तक हरियाणा में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आईआरबी की बटालियन पहले ही नोडल डिजास्टर रिस्पॉन्स एजेंसी के रूप में सक्रिय रही है। इसके अंतर्गत सैकड़ों कर्मचारियों को आपदाओं से निबटने के लिये प्रशिक्षण दिया जा चुका है। लेकिन आपदाओं व दुर्घटनाओं की घातकता के मद्देनजर स्पेशल व स्थायी बल की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अनुभवी नेतृत्व में प्रशिक्षित टीम व आधुनिक जीवन रक्षा उपकरण उपलब्ध कराये जाने से एसडीआरएफ तमाम चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकेगी।

निश्चित रूप से अग्निवीरों की सेना में कुशल ट्रेनिंग, अनुशासन के साथ चुनौतियों का मुकाबला करने का प्रशिक्षण व फील्ड में हासिल अनुभव स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स को प्रभावी बनाएगा। जिसके आधार पर ही सरकार ने उन्हें एसडीआरएफ बटालियन में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है।

निश्चित तौर पर इससे राज्य में आपदा में तुरंत प्रतिक्रिया क्षमता को संबल मिलेगा। साथ ही अग्निवीरों को अपनी क्षमता प्रदर्शन का नया मंच मिलने से, युवा सेना की अग्निवीर योजना को कैरियर के विकल्प के रूप में चुन सकेंगे।प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है।

न अस्पताल मंदिर रहे, न डॉक्टर ही भगवान

क्षमा शर्मा

भारत में अस्पतालों और डॉक्टरों की मुनाफाखोरी पर एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई ऑपरेशन और इलाज अनावश्यक होते हैं, जिससे मरीजों को बेवजह परेशानियों और खर्चों का सामना करना पड़ता है। पिछले दिनों एक बड़े चैनल की.. भारत में अस्पतालों और डॉक्टरों की मुनाफाखोरी पर एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कई ऑपरेशन और इलाज अनावश्यक होते हैं, जिससे मरीजों को बेवजह परेशानियों और खर्चों का सामना करना पड़ता है। पिछले दिनों एक बड़े चैनल की साइट पर भारत की संसदीय कमेटी की रिपोर्ट के बारे में पढ़ा। इसमें शोध करके बताया गया था कि भारत में चवालीस प्रतिशत ऑपरेशन अनावश्यक होते हैं। इसके अनुसार कैंसर के सैंतालीस प्रतिशत, पचपन प्रतिशत दिल, अड़तालीस प्रतिशत गर्भाशय, अड़तालीस प्रतिशत घुटना प्रत्यारोपण, पैंतालीस प्रतिशत सिजेरियन, कंधे का प्रत्यारोपण और रीढ़ की हड्डी के आपरेशन बिना किसी जरूरत के किए जाते हैं।अफसोस की बात यह है कि जो मीडिया बहुत मामूली बातों पर इतना हाहाकार मचाता है, नफरत के बीज भी बोता है, किसी एक दुर्घटना पर आंसू बहाता है, वहां इस रिपोर्ट की कोई चर्चा नहीं देखी गई। जबकि यह इस देश की समूची जनसंख्या के हितों से जुड़ी थी।

आखिर हारी-बीमारी तो हर मनुष्य के जीवन में आती है। पहले कहा जाता था कि अगर आपका अपना डाक्टर किसी रोग को ठीक नहीं कर पाता, तो अस्पताल चलो। वहां रोग का सही निदान किया जा सकता है। लेकिन उन अस्पतालों को क्या कहा जाए, जो मरीज की बेबसी का फायदा उठाते हैं। बहुत से डाक्टर यदि अस्पतालों की इस मुनाफाखोरी में शामिल नहीं होते, तो उन्हें हटा दिया जाता है। कुछ साल पहले गाजियाबाद में डाक्टर ने एक मरीज से कह दिया कि उसे कोई गम्भीर बीमारी नहीं है। अस्पताल प्रबंधन ने डाक्टर को हटा दिया। जब से अस्पतालों में मार्केटिंग का प्रवेश हुआ है, तो डाक्टरों को दिए गए टारगेट्स को पूरा करना पड़ता है। इसमें अधिक से अधिक मरीजों को लाना, जिन टेस्ट्स की जरूरत नहीं, उन्हें लिखना, मरीज की मृत्यु के बाद भी इलाज के नाम पर उसे भर्ती किए रहना, आदि बातें शामिल हैं। बीमा कम्पनियां इस बात की शिकायत भी कर चुकी हैं कि जब तक मेडिक्लेम का पूरा पैसा अस्पताल नहीं वसूल लेते, वे मरीज को लटकाए रखते हैं।कुछ सालों में गुड़गांव से दो खबरें आ चुकी हैं। ये किसी मीडिया में न आकर फेसबुक पर देखी गई थीं। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि एक लड़की बुखार के कारण अपने पति को अस्पताल ले गई । डाक्टर रात भर उसके टेस्ट्स करवाते रहे और अगले दिन दस लाख रुपए का बिल थमा दिया गया। इसी तरह गुड़गांव के एक बहुत मशहूर अस्पताल के बारे में एक व्यक्ति ने लिखा कि वह दिल के इलाज के लिए दाखिल हुआ। उसे बताया गया कि उसके दो वॉल्व बदलने पड़ेंगे। पैसे जमा करवा दें। लेकिन तभी उसे बुखार आ गया। बुखार में ऑपरेशन नहीं किया जा सकता। चूंकि कमरे का किराया बहुत ज्यादा था, तो मरीज एक होटल में चला गया। वहां उसका एक मित्र आया। मरीज ने उसे बताया कि पहले वह जहां इलाज करा रहा था, वहां तो बताया था कि उसका एक ही वॉल्व खराब है, जबकि यहां दो वाल्व बदलने पड़ेंगे। मित्र उसे एक दूसरे अस्पताल में ले गया। वहां कहा गया कि उसका एक ही वॉल्व बदलना पड़ेगा। जब मरीज ने आकर इस मशहूर अस्पताल के डाक्टर को बताया तो उसने सिर पर हाथ मारते हुए मालिक जो खुद भी बहुत मशहूर डॉक्टर हैं, उनके बारे में कहा कि मैंने उससे मना किया था, मगर वह नहीं माना। ऐसा ही एक किस्सा लखनऊ के एक अस्पताल बारे में बताया गया। यहां एक मरीज गैस की समस्या के कारण भर्ती हुआ। उससे कहा गया कि दिल का ऑपरेशन करना पड़ेगा। आठ लाख रुपए जमा कराए। मरीज वहां से जाने लगा, तो उसके साथ अभद्रता भी की गई। खैर, वहां से वह एक दूसरी जगह पहुंचा और दो सौ रुपये की दवा में ठीक हो गया। यहां तक कि बहुत से डाक्टर वे दवाएं लिखते हैं, जो बहुत महंगी होती हैं। वे या तो उसी अस्पताल में मिलती हैं या किन्हीं खास दुकानों पर। मरीज को इसमें भी लूट का सामना करना पड़ता है। महाराष्ट्र के अस्पतालों के एक सर्वे में पाया गया था कि बड़े अस्पतालों में डॉक्टरों का वेतन करोड़ों रुपये होता है। इसका कारण भी यही होता है कि जो डॉक्टर अधिक से अधिक मरीजों को भर्ती करते हैं, बिना जरूरत टेस्ट और ऑपरेशन करवाते हैं, उनका वेतन बढ़ता जाता है। मृत मरीजों को वेंटिलेटर पर दिखाकर, उसके परिजनों से खूब पैसा वसूला जाता है। एक मृत बच्चे को एक माह तक वेंटिलेटर पर रखा गया था। बाद में शिकायत करने पर अस्पताल ने उसके परिजनों को पांच लाख रुपये वापस किए थे। कई बार मृत मरीजों पर ऑपरेशन का नाटक करके पैसे वसूले जाते हैं और कह दिया जाता है कि ऑपरेशन के दौरान मरीज की मृत्यु हो गई। बर्फबारी-बारिश न होने से फसलों व पेयजल का संकट बहुत सी इंश्योरेंस कम्पनियां भी भारी घोटाले की दोषी पाई गईं।

बर्फबारी-बारिश न होने से फसलों व पेयजल का संकट

हिमालयी राज्यों में 'स्नो ड्राउट

डा0 पंकज कुमार

गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थलों में केवल सूखी घास और नग्न पहाड़ दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति केवल पर्यटन को आर्थिक चोट नहीं पहुंचा रही, बल्कि ग्लेशियरों के पुनर्भरण की प्रक्रिया को भी बाधित कर रही है। यदि बर्फबारी का यह अकाल जारी रहा, तो गर्मियों में झेलम और सिंधु जैसी नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड स्तर तक गिर सकता है, जिससे न केवल पीने के पानी का संकट पैदा होगा बल्कि जलविद्युत परियोजनाओं पर भी ताला लग सकता है। उत्तराखंड में राज्य के अधिकांश जिलों में सूखे की स्थिति है। हिमाचल प्रदेश में भी सामान्य से 97 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। बारिश न होना रबी की फसलों खासकर गेहूं के लिए बुरा है। असल में सर्दियों की बारिश केवल पानी की जरूरत पूरी नहीं करती, बल्कि खेतों के लिए खाद का काम करती है, जिससे पौधों को नाइट्रोजन, फास्फोरस और दूसरे पोषक तत्व कुदरती रूप से मिलते हैं। उधर अक्तूबर-नवंबर के गर्म रहने से आलू का अंकुरण कम हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गन्ने की मिठास नवंबर की गर्मी ने सोख ली। गन्ने में सुक्रोज बनने के लिए ठंड आवश्यक है लेकिन अभी तक गन्ने में पानी की मात्रा अधिक है। इसलिए गुड़ बन ही नहीं पा रहा था। एक महीने देरी से गुड़ बनना शुरू हुआ है। रबी की फसल बिगड़ने का असर सारे देश की अर्थव्यवस्था और भोजन व्यवस्था पर पड़ना तय है।

ऊंचे पहाड़ों पर खेतों में बर्फ का आवरण आमतौर पर एक इन्सुलेशन कंबल के रूप में कार्य करता है। बर्फ की परत से उनकी फसलों की रक्षा होती है, कंद-मूल जैसे उत्पादों की वृद्धि होती है, पाले का प्रकोप नहीं हो पाता। साथ ही बर्फ से मिट्टी का कटाव भी रुकता है। पूरे हिमालय क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से क्षेत्र में पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की संभावना है। अगर तापमान जल्दी ही बढ़ जाता है तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासदीदायक होगी। इससे हिमनद झील के फटने से होने वाली बाढ़ अचानक आ सकती है। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैकड़ों मेगावाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट आ सकता है। यह भी कड़वा सच है कि पहाड़ों के मिजाज को बिगाड़ने में इन जल विद्युत परियोजनाओं की भूमिका भी है। पहाड़ों पर बर्फ का असर पंजाब की नदियों पर गहराई से होता है। उत्तराखंड के पौड़ी जिले में भले ही तीव्र ठंड हो, लेकिन बीते चार महीनों से बर्फबारी और बारिश न होने के कारण यहां के पर्यावरण पर अलग किस्म का खतरा मंडरा रहा है। लगातार सूखे से जमीन की नमी समाप्त हो गई है। यदि हालात नहीं सुधरे तो यहां जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाएगा। बारिश और बर्फबारी की कमी का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं है। यह पूरे पर्यावरण को प्रभावित कर रहा है। हिमालयी ग्लेशियरों को पर्याप्त बर्फबारी नहीं मिलने से वे तेजी से पिघल रहे हैं। इससे नदियों और जल स्रोतों का जलस्तर घट रहा है, जिससे पेयजल और सिंचाई के लिए संकट खड़ा हो रहा है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले पहाड़ों पर बरसात और बर्फ न गिरने से जमीन का सूखना वहां के वन्य जीवों के लिए बड़ा खतरा है। हरियाली पर जीने वाले जानवर बस्ती की तरफ आ रहे हैं। दुखद है कि नीति-नियंता धरती के इस तरह हो रहे नुकसान को जलवायु परिवर्तन के वैश्विक असर या फिर पश्चिमी विक्षोभ के कमजोर होने की बात कर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते हैं। जबकि अत्यधिक पर्यटन, पक्के निर्माण, पहाड़ों पर तोड़फोड़, हरियाली कवच का कम होना जैसे मानवजनित कारण हैं जिन्होंने हिमालय पहाड़ की गोद में बसे लोगों को समय से पहले संकट में डाल दिया है।

हिमालय के पहाड़ देश के लिए महज मनोरंजन या पर्यटन के लिए नहीं हैं, ये देश की जल-प्रदाय स्रोत हैं। जल किसी कारखाने में बनाया नहीं जा सकता। आज जरूरत है कि हिमालय राज्यों के लिए जलवायु अपरिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि से निपटने को स्थानीय स्तर पर त्वरित और दूरगामी कार्य योजना बनाई जाए, जिसमें स्थानीय लोगों की सहभागिता और पारंपरिक ज्ञान को भी स्थान मिले। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में इस साल 'स्नो ड्राउट' की स्थिति बन गई है। 2025-26 की सर्दियों में इन क्षेत्रों में बर्फबारी सामान्य से 45 से 75 प्रतिशत तक कम रही, खासकर नवंबर-दिसंबर के दौरान। उत्तराखंड में दिसंबर, 2025 में 100 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई और जनवरी, 2026 तक ऊंचे इलाकों में बर्फ नहीं जमी।

मकनपुर मेले का आकर्षण बना 51 लाख का 'सम्राट' घोड़ा

○ खास नस्ल के सफेद घोड़े के शरीर पर नहीं है कोई दाग ○ घोड़ा व्यापारी ने कहा, अब तक लग चुके हैं 21 लाख रुपये

रिजवान कुरैशी

बिल्हौर (कानपुर)। मकनपुर बंसत मेले में पशु व्यापार का जोश देखने को मिला। मेले में घोड़े, खच्चर, भैंस, गाय, बकरी और गधे की खरीद-बिक्री जोर-शोर से जारी है। इसके साथ ही किसानों के लिए उपयोगी सामान और पशुओं से जुड़े उपकरणों की दुकानों पर भी रौनक दिखाई दे रही है।

मेले का एक प्रमुख आकर्षण बना है 51 लाख की कीमत वाला सम्राट घोड़ा। कन्नौज के मदपुरा गांव से आए व्यापारी सर्वदा पंडित का यह सफ़ेद घोड़ा हर नजर को अपनी ओर खींच रहा है। घोड़े की उम्र 35 माह बताई जा रही है और इसकी चमकदार सफेदी पर किसी भी तरह का दाग नहीं है। व्यापारी ने बताया कि इस घोड़े पर अब तक 21 लाख रुपये की बोली लगी है।

मेले में गायों की संख्या अभी कम है, लेकिन सज्जादानशी नूरुल अराफात जाफरी ने बताया कि आने वाले दिनों में पंजाब, दिल्ली और हरियाणा से भैंस और गायें भी बिक्री के लिए आएंगी। मेले में आसपास के क्षेत्रों के किसान और पशु व्यापारी खरीद-बिक्री में शामिल हो रहे हैं। ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन जाफरी और मेला समिति के सदस्य नन्द लाल पाल, दीपक श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान इमरान शिकोह जाफरी ने बताया कि बसंत पंचमी के मौके पर मेला अपनी पूरी रौनक के साथ आयोजित होगा। वहीं, कोषाध्यक्ष लेखपाल सुनील चौधरी ने कहा कि दरगाह पर आए जायरीनों के ठहरने और खाने-पीने की उचित व्यवस्था की गई है।

अरौल स्टेशन पर मेला स्पेशल ठहराव

मकनपुर वसंत मेला के चलते इज्जतनगर-बरेली रेलवे ने 21 जनवरी से 3 फरवरी तक कुछ लंबी दूरी की ट्रेनों को अरौल स्टेशन पर दो मिनट के अस्थायी ठहराव का आदेश दिया है। इसमें ट्रेन नंबर 15037, 15038, 14117, 14118, 15083 और 15084 शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा योजना बनाते समय ठहराव समय का ध्यान रखने की अपील की है।

मेले में आई जलपरी, धूम मचाएगी

इस बार के मेले में लोगों को एक नई आकर्षण देखने को मिलेगा। मेले में सैकड़ों दुकानें लगी हैं, जहां दूर-दराज से लोग खरीदारी करने पहुंच रहे हैं। बच्चों और बड़ों के लिए आसमानी झूले और दर्जनों तरह के झूले लगाए गए हैं। इस बार मेले में सबसे बड़ी आकर्षण बनकर आई हैं जल परी, जिनका टनल बन रहा है जो मेले में खास आकर्षण का केंद्र बनेगा। आयोजक ने बताया कि जलपरी अपने अद्भुत जलवे और नृत्य से मेले में आई जनता का मन मोह लेगी।

शहीदों की आरामगाह पर बिक रहा हलुआ पराठा

मकनपुर में बसंत पर्व का 607वां मेला लगा है, लेकिन इस साल भी शहीदों की मजारों की हालत चिंताजनक नजर आ रही है। मेले के बीच शहीदों की समाधियों पर हलुआ-पराठा बिक रहा है। प्रशासन और ग्राम पंचायत की ओर से इस ओर कोई खास ध्यान नहीं दिया गया।स्थानीय लोग बताते हैं कि साल-दर-साल यहां की शहीदों की आरामगाहें अपना अस्तित्व खोती जा रही हैं। मेले में भारी भीड़ के बीच यह दृश्य पर्यटकों और ग्रामीणों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गया है। गांव के बुजुर्गों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कहा कि वतन की खातिर अपनी जान देने वालों का सम्मान बनाए रखना हर नागरिक और प्रशासन की जिम्मेदारी है। आने वाले दिनों में मेला अपने शबाब पर होगा, लेकिन शहीदों की मजारों की उपेक्षा से यह पर्व अपनी पूरी गरिमा खो रहा है।

भूमि विकास बैंक चुनाव में एकतरफा तस्वीर, विपक्ष रहा नदारद

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। भूमि विकास बैंक के प्रतिनिधि पद के चुनाव में मंगलवार को बिल्हौर और चौबेपुर ब्लॉकों में राजनीतिक हलचल तो देखने को मिली, लेकिन चुनावी मुकाबले का माहौल नहीं बन सका। नामांकन प्रक्रिया के दौरान दोनों ही ब्लॉकों में केवल एक ही दल के प्रत्याशियों के मैदान में उतरने से चुनाव की तस्वीर पहले ही दिन साफ हो गई। सुबह से ही विकासखंड परिसरों में गतिविधियां तेज रहीं। तय समय सीमा के भीतर बिल्हौर और चौबेपुर से केवल भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने ही नामांकन पत्र दाखिल किए। किसी अन्य राजनीतिक दल अथवा निर्दलीय उम्मीदवार की ओर से नामांकन न होने के कारण चुनाव पूरी तरह एकतरफा नजर आया।

निर्वाचन अधिकारियों की निगरानी में सुबह 10 बजे से नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। बिल्हौर ब्लॉक से भाजपा समर्थित प्रत्याशी रामशरण कटियार ने जिला अध्यक्ष उपेंद्र पासवान, पूर्व अध्यक्ष कृष्ण मुरारी शुक्ला, पूर्व उपाध्यक्ष सुशील कटियार, जेपी कटियार, रवि बाजपेई सहित अन्य पार्टी पदाधिकारियों व अधिवक्ताओं के साथ एसडीएम बिल्हौर डॉ. संजीव दीक्षित के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं चौबेपुर ब्लॉक से सुरेंद्र दीक्षित ने विधायक राहुल बच्चा सोनकर, ब्लॉक प्रमुख राजेश शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य गोपाल दीक्षित समेत अन्य भाजपा नेताओं की मौजूदगी में नामांकन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।दिनभर ब्लॉक परिसरों में कार्यकर्ताओं की आवाजाही बनी रही, लेकिन विपक्ष की ओर से पूरी तरह खामोशी छाई रही। नामांकन के अंतिम दिन तक किसी अन्य प्रत्याशी के सामने न आने से दोनों ही पदों पर निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति बनती दिख रही है। राजनीतिक हलकों में विपक्ष की निष्क्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। जानकारों का मानना है कि सहकारी संस्थाओं के चुनाव में विपक्ष का मैदान में न उतरना उसकी संगठनात्मक कमजोरी और स्थानीय स्तर पर समर्थन के अभाव को दर्शाता है। अब सभी की निगाहें निर्वाचन विभाग की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं।

⇨ **चौबेपुर-बिल्हौर में नामांकन में केवल एक ही दल के प्रत्याशी उतरने से मुकाबला नहीं बन सका**

फूल मालाओं से लदे प्रत्याशी

नामांकन में किसी अन्य दल का कोई उम्मीदवार सामने न आने से तस्वीर साफ होते ही भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के समर्थकों में जश्न का माहौल बन गया।गाजे-बाजे के साथ कार्यकर्ताओं ने प्रत्याशियों को फूल-मालाओं से लाद दिया और निर्विरोध निर्वाचन तय होने की खुशी जताई और मिठाइयाँ बाँटी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ग्राम प्रधान के पति की मौत, परिवार में कोहराम

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बांगरमऊ क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में ग्राम प्रधान के पति की मौत हो गई। घटना से परिवार में मातम छा गया, वहीं क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार कानपुर नगर के बिल्हौर थाना क्षेत्र अंतर्गत नानामऊ गांव निवासी गुलाब सिंह (36) रात में भोजन करने के बाद टहलने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान बांगरमऊ-बिल्हौर मार्ग पर भूड्डा चौराहे के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें तेज रफ्तार में टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की पीआरबी टीम मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में घायल गुलाब सिंह को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांगरमऊ पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान होते ही परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद घर में कोहराम मच गया। बताया गया है कि गुलाब सिंह की पत्नी खुशबू वर्तमान में ग्राम प्रधान हैं।

पति की अचानक मौत से वह गहरे सदमे में हैं। परिवार में दो छोटे बच्चे हैं।बड़ा बेटा युग 10 वर्ष और छोटा बेटा युवराज 8 वर्ष का है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश में जांच शुरू कर दी है। उधर गांव में भी मातम छाया है। स्थानीय लोग बताते हैं कि रात के समय ट्रक और कंटेनर वाले वाहन तेज रफ्तार में चलाते हैं, जिससे सड़क हादसों का खतरा बढ़ जाता है। बांगरमऊ-बिल्हौर मार्ग पर अक्सर इस कारण दुर्घटनाएं देखने को मिलती हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, मेदांता लखनऊ रेफर

» उल्टी-दस्त से बिगड़ा स्वास्थ्य, 36 घंटे से कुछ नहीं खा पाए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और वरिष्ठ संत महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। 87 वर्षीय महंत को सोमवार रात से उल्टी-दस्त की शिकायत थी। बुधवार सुबह श्रीराम अस्पताल के सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. एसके पाठक ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया, जिसके बाद उन्हें तत्काल लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल रेफर करने की सलाह दी गई।

जानकारी के मुताबिक, महंत नृत्य गोपाल दास बीते 36 घंटे से कुछ भी नहीं खा पाए हैं, जिससे उनकी कमजोरी काफी बढ़ गई थी। डॉक्टरों की निगरानी में उन्हें एम्बुलेंस से लखनऊ के लिए रवाना किया गया।

श्रीराम अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया कि महंत की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर चिकित्सकों की टीम ने मौके पर जांच की। स्थिति को देखते हुए मेडिकल टीम और एम्बुलेंस के साथ उन्हें मेदांता अस्पताल भेजा गया है। उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास भी उनके साथ लखनऊ रवाना हुए हैं। अब आगे की जानकारी मेदांता से आने वाली मेडिकल रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि महंत नृत्य गोपाल दास श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के भी अध्यक्ष हैं और देश-विदेश में उनके लाखों शिष्य हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब भी अयोध्या आते हैं, मणिरामदास जी की छावनी पहुंचकर महंत का हालचाल लेते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।स्वास्थ्य कारणों से महंत नृत्य गोपाल दास को पहले भी कई बार मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है।वर्ष 2020 में मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के दौरान उन्हें कोरोना संक्रमण हुआ था, जिसके बाद से उनके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना हुआ है। सितंबर 2024 में भी उन्हें लखनऊ मेदांता में भर्ती कराया गया था। फिलहाल सभी की निगाहें उनकी सेहत को लेकर आने वाली ताजा मेडिकल रिपोर्ट पर टिकी हैं।

नो हेल्मेट- 'नो फ्यूल' सिर्फ बोर्ड तक सीमित!

अयोध्या में दो पेट्रोल पंपों पर जिला पूर्ति अधिकारी की सख्ती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सड़क सुरक्षा को लेकर शासन और परिवहन विभाग के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अयोध्या में नियमों की खुलेआम अनदेखी सामने आई है। जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा किए गए आकस्मिक निरीक्षण में मै0 आर0के0बी0 लिमिटेड सहादतगंज, अयोध्या तथा मै0 आशी फिलिंग स्टेशन, सलारपुर (सोहावल) पर ҍनो हेल्मेटङ्गनो फ्यूलҍ नीति का पालन न किए जाने का मामला उजागर हुआ। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पेट्रोल पंपों पर तैनात सेल्समैन बिना हेल्मेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को धड़ल्ले से पेट्रोल विक्रय कर रहे थे। यह स्थिति तब है, जब परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के स्पष्ट निर्देश हैं कि बिना हेल्मेट चालक एवं सहयात्री को ईंधन नहीं दिया जाएगा।

जिला प्रशासन ने बताया कि 09 जनवरी 2025 को जोनल परिवहन अधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी डीजल/पेट्रोल पंप संचालकों को साफ निर्देश दिए गए थे कि पंप परिसर में बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकरनो हेल्मेटङ्गनो फ्यूल का प्रचार करें और नियम का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। इसके बावजूद निरीक्षण में नियमों की अवहेलना सामने आना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। जिला पूर्ति अधिकारी ने दोनों संबंधित फर्मों को निर्देशित किया है कि वे एक सप्ताह के भीतर साक्ष्य सहित अपना स्पष्टीकरण कार्यालय में प्रस्तुत करें। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब न मिलने पर यह मान लिया जाएगा कि फर्म के पास कुछ भी कहने को नहीं है, और इसके बाद नियमानुसार अग्रिम आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।यह मामला सिर्फ दो पेट्रोल पंपों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दर्शाता है कि सड़क सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पर नियमों का पालन कागजों और बैठकों तक सिमट कर रह गया है। अब देखना यह है कि प्रशासन की यह सख्ती सिर्फ चेतावनी तक रहती है या वास्तव में नियम तोड़ने वालों पर ठोस कार्रवाई भी होती है।

हटाये गए विवादित पूर्व सीएमओ डॉ0 सुशील बनियान

नए सीएमओ डॉ0 देवेंद्र कुमार भिटौरिया

शिकायतों में घिरे सीएमओ का तबादला या प्रमोशन?

» अयोध्या से हटे डॉ. बनियान को लखनऊ में अहम जिम्मेदारी

जालौन के एसीएमओ डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया बने नए सीएमओ

नए सीएमओ से उम्मीदें

नए सीएमओ डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया के सामने अयोध्या की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर बड़ी चुनौती होगी। जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पहले से ही व्यवस्थागत सवाल उठते रहे हैं। ऐसे में देखना होगा कि नया नेतृत्व व्यवस्थाओं में कितना सुधार ला पाता है। हालांकि यह फेरबदल एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करता है कि प्रशासनिक कार्रवाई का असली संदेश क्या है।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या ।अयोध्या में लगातार मिल रही विभिन्न शिकायतों के क्रम में पद से हटाए गए मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. सुशील कुमार बनियान को शासन ने नई तैनाती दे दी है। उन्हें स्वास्थ्य महानिदेशालय, लखनऊ में संयुक्त निदेशक (परिवार कल्याण) के पद पर नियुक्त किया गया है। इस निर्णय के बाद स्वास्थ्य महकमे और जनपद में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है ।शासन के आदेश के अनुसार, डॉ. बनियान को अयोध्या से हटाकर सीधे लखनऊ मुख्यालय में महत्वपूर्ण पद सौंपा गया है। वहीं, जालौन के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. देवेंद्र कुमार भिटौरिया को अयोध्या का नया सीएमओ बनाया गया है। अयोध्या में अपने कार्यकाल के दौरान डॉ. सुशील कुमार बनियान पर स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई शिकायतें सामने आई थीं, जिनके चलते उन्हें जनपद से हटाया गया। ऐसे में उन्हें मुख्यालय स्तर पर संयुक्त निदेशक जैसे पद पर तैनात किया जाना कई सवाल खड़े करता है। आमजन और स्वास्थ्य कर्मियों के बीच यह चर्चा है कि यदि शिकायतें गंभीर थीं, तो यह कार्रवाई मानी जाए या फिर नई जिम्मेदारी के रूप में।

अब विद्यालय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुलेंगे

» जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने जारी किए निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में अब विद्यालय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक खुलेंगे। ठंड में आई कमी के बाद शिक्षा विभाग ने भीषण सर्दी के दौरान लागू किए गए पुराने समय को समाप्त कर दिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों के साथ-साथ मान्यता प्राप्त हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों में यह समय-सारिणी समान रूप से लागू होगी। कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालय अब सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि कड़ाके की ठंड को देखते हुए पूर्व में विद्यालयों के खुलने का समय सुबह 10 बजे निर्धारित किया गया था। हालांकि छुट्टी का समय पहले की तरह दोपहर 3 बजे ही रहेगा। शिक्षा विभाग के अनुसार इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य बच्चों के पठन-पाठन के समय में वृद्धि करना तथा शैक्षणिक कैलेंडर के अनुरूप शैक्षिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा। साथ ही स्कूल प्रबंधन को निर्देशित किया गया है कि वे अभिभावकों को सूचना के सभी उपलब्ध माध्यमों से समय परिवर्तन की जानकारी दें, ताकि छात्र निर्धारित समय पर विद्यालय पहुंच सकें।

चार जुआरियों को दबोचा, 12,990 नकद बरामद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने जुआ खेलते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 12,990 रुपए नकद व ताश बरामद किया। पुलिस टीम ने ग्राम पैलावर में पानी की टंकी के पास चारों जुआरियों को रंगे हाथों पकड़ा। आरोपी आदर्श कुमार (निवासी बैयामऊ, मंगलपुर), महेश कुमार (निवासी पैलावर, थाना राजपुर), रामकुमार (निवासी हथूमा, थाना डेरापुर) तथा श्रीकृष्ण (निवासी पैलावर, थाना राजपुर) हैं।

जिस प्रोजेक्ट का काम धीमा वहां बढ़ाएं श्रमिकों की संख्या

मुख्य विकास अधिकारी ने जल जीवन मिशन की समीक्षा कर दिए कड़े निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिन कार्यदायी संस्थाओं की प्रगति धीमी है, वे श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाएं तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जनपद में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए यह बात मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने कही। विकास भवन स्थित सभागार में हुई बैठक में विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे एवं पूर्ण किए गए कार्यों की अद्यतन स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अभियंता, जल निगम को निर्देशित किया कि सभी कार्यदायी संस्थाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे सभी कार्य निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिन कार्यदायी संस्थाओं की प्रगति धीमी है, वे श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य में तेजी लाएं तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिन ग्रामों में पाइप से जलापूर्ति का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां तत्काल सत्यापन कराया जाए। साथ ही पाइपलाइन बिछाने के पश्चात सड़क मरम्मत (रोड रिस्टोरेशन) का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पाइपलाइन डालने के उपरांत सड़क मरम्मत कार्य अनिवार्य रूप से कराया जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी कार्यदायी संस्थाएं कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करें। अंत में उन्होंने चेतावनी दी कि जिन कार्यदायी संस्थाओं की प्रगति संतोषजनक नहीं पाई जाएगी, उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में अधिशासी अभियंता जल निगम सहित संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

कागजों में जिंदा, जमीन पर मृत पड़ा नौहानौगांव का एएनएम सेंटर

महिलाओं को मामूली जांच, टीकाकरण और प्रसव पूर्व देखभाल के लिए 16 किलोमीटर दूर जाना पड़ता

» चिकित्सा अधीक्षक ने कहा यह प्रकरण उनके संज्ञान में नहीं, जांच करा कर दोषियों पर होगी कार्रवाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकार एक ओर ग्रामीण महिलाओं और गर्भवती माताओं को गांव स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के दावे कर रही है, वहीं रसूलाबाद तहसील के नौहानौगांव में बना एएनएम सेंटर इन दावों की पोल खोलता नजर आ रहा है। लाखों रुपये की लागत से निर्मित यह स्वास्थ्य केंद्र वर्षों से पूरी तरह ठप पड़ा है और इसका संचालन सिर्फ कागजों तक सीमित रह गया है।

ग्रामीणों के अनुसार नौहानौगांव, कुल्हैयनपुरवा, बरिगौ समेत आधा दर्जन गांवों की महिलाओं को मामूली जांच, टीकाकरण और प्रसव पूर्व देखभाल के लिए 16 किलोमीटर दूर रसूलाबाद सीएचसी जाना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दूरी कई बार जानलेवा साबित हो सकती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी कोई चिंता नहीं। महिलाओं का कहना है कि कई बार गर्भवती महिलाओं को समय पर जांच न मिलने से गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा है। गांव में एएनएम सेंटर होते हुए भी उसका उपयोग न होना स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उजागर करता है।

डॉक्टर नदारद, केंद्र में कथित शराब पार्टियां

ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि एएनएम सेंटर पर तैनात डॉक्टर महीनों तक दिखाई नहीं देते। उन्होंने दावा किया कि केंद्र का उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं के बजाय कथित रूप से शराब पार्टियों के लिए किया जाता है। छह-छह महीने में कभी-कभार उपस्थिति दर्ज कर औपचारिकता पूरी कर ली जाती है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि विभागीय रिकॉर्ड में केंद्र को नियमित रूप से संचालित दिखाया जा रहा है, जिससे यह आशंका गहराती है कि फर्जी हाजिरी और कागजी खानापूर्ति के जरिए सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है। जब इस गंभीर मामले पर चिकित्सा अधीक्षक दीपक गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह प्रकरण उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या जांच सिर्फ कागजों तक सीमित रहेगी? क्या दोषी डॉक्टर और कर्मचारियों पर वास्तव में कार्रवाई होगी? और कब तक गांव की महिलाएं अपने ही क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा से वंचित रहेंगी?।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय :4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

बेटी की निर्मम हत्या करने वाले पिता को हुई उम्रकैद

तीन साल पुराने हत्याकांड में अदालत का फैसला, 40 हजार का जुर्माना भी

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। बेटी की निर्मम हत्या कर शव को पत्थर बांधकर नदी में बहाने वाले पिता को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला करीब तीन साल पुराने मामले में आया है, जिसमें पुलिस को अहम साक्ष्य जुटाने में दो साल का समय लगा, जबकि सुनवाई के दौरान एक साल में निर्णय सुनाया गया।

रूरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रिंद नदी के किनारे 12 अक्टूबर 2022 को एक युवती का शव उतराता मिला था। शव के साथ पत्थर बंधा हुआ था, जिससे स्पष्ट हो गया था कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को नदी में फेंका गया। चरवाहों की सूचना पर यूपी 112 पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हाइट बोन टूटी पाई गई, जिससे हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने स्वयं वादी बनते हुए अज्ञात के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के सामने सबसे बड़ी चुनौती शव की शिनाख्त थी। जांच के दौरान मृतका के हाथ पर बने टैटू में दिल और तीर के साथ लिखा नाम ध्ररुचिध्र अहम सुराग साबित हुआ। इसी के आधार पर पुलिस रसूलाबाद क्षेत्र के रसवल रावत गांव तक पहुंची, जहां अरुण कुमार दोहरे की बेटी की पहचान हुई।

जांच में सामने आया कि हत्या का आरोपी कोई और नहीं बल्कि मृतका का पिता अरुण कुमार दोहरे ही था। शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और घटना को सामान्य बताता रहा, लेकिन साक्ष्यों की कड़ी जुड़ती चली गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ की अदालत में हुई। विशेष लोक अभियोजक विशाल सिंह ने ठोस और मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कठोर सजा की मांग की। अदालत ने अरुण कुमार दोहरे को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और 40 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई।

सरकारी भूमि से अवैध खनन, विवादित प्लॉट में की गई मिट्टी की पुराई

» पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रुकवाया कार्य, राजस्व टीम ने शुरू की जांच

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के विजईपुर गांव से सरकारी भूमि पर अवैध मिट्टी खनन का मामला एक बार फिर सामने आया है। क्षेत्र में पहले भी कई बार सरकारी जमीनों से अवैध खनन कर सिंगरसीपुर, ठाकुरपुरवा, घार, गुढ़ा, शेरपुर सहित अन्य गांवों में मिट्टी की पुराई किए जाने की खबरें समाचार पत्रों में प्रकाशित होती रही हैं।

बताया गया कि विजईपुर गांव की गाटा संख्या 247, जो राजस्व अभिलेखों में सरकारी बीहड़ भूमि के रूप में दर्ज है, वहां से अवैध रूप से मिट्टी खनन किया गया। उक्त मिट्टी को ठाकुरपुर गांव स्थित एक विवादित प्लॉट में डाला जा रहा था। मिट्टी की पुराई होते देख विपक्षी पक्ष के मुन्नू सिंह ने डायल-112 पर सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंची और मिट्टी डालने का कार्य रुकवा दिया। इसके बाद मुन्नू सिंह ने मूसानगर थाने में प्रार्थनापत्र देकर प्रमोद कुमार एवं संजय कुमार पर आरोप लगाया कि वे अपने ट्रैक्टरों से विवादित प्लॉट में मिट्टी डाल रहे थे, जबकि उक्त भूमि से संबंधित मामला सिविल जज (सीनियर डिवीजन) न्यायालय में विचाराधीन है तथा न्यायालय द्वारा निर्माण एवं अन्य कार्यों पर रोक लगी हुई है।

अवैध खनन की सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी भोगनीपुर ने क्षेत्रीय कानूनगो एवं लेखपाल को मौके पर जांच के लिए भेजा। क्षेत्रीय कानूनगो सुमित कुमार ने बताया कि विजईपुर गांव की गाटा संख्या 247 राजस्व अभिलेखों में सरकारी बीहड़ भूमि के रूप में दर्ज है। मामले की रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है, आदेश प्राप्त होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सभी शिक्षक विद्यालय को निपुण बनाने को शत-प्रतिशत करें प्रयास

न्याय पंचायत सिमरा मऊ की शिक्षक संकुल मासिक बैठक सम्पन्न

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। न्याय पंचायत सिमरा मऊ की शिक्षक संकुल मासिक बैठक प्राथमिक विद्यालय बंजारन डेरा में की गई। जिसमें कहा गया कि सभी शिक्षक विद्यालय को निपुण बनाने के लिए शत-प्रतिशत प्रयास करें।

बैठक में महानिदेशक, बेसिक शिक्षा द्वारा जारी पत्र/आदेश के अनुसार प्रेषित एजेंडे को संकुल प्रभारी रामनरेश द्वारा सभी शिक्षकों के समक्ष प्रस्तुत कर उस पर विस्तार से चर्चा की गई।

एआरपी पारुल निरंजन ने विद्यालय को निपुण बनाने के उद्देश्य से छात्र उपस्थिति बढ़ाने तथा अभ्यास पत्रकों के माध्यम से नियमित अभ्यास कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि सभी शिक्षक विद्यालय को निपुण बनाने हेतु शत-प्रतिशत प्रयास करें, तो उन्हीं प्रयासों से संपूर्ण विकासखंड को निपुण बनाया जा सकता है। बैठक की आयोजक एवं शिक्षक संकुल ममता राठौर ने सभी शिक्षकों से विभागीय निर्देशों का पूर्ण अनुपालन करते हुए विद्यालय को निपुण बनाने हेतु समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर शिक्षिका रीना तथा कल्पना यादव द्वारा आकर्षक टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री) का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिसके माध्यम से बच्चों में अधिगम क्षमता के विकास के उपायों को प्रदर्शित किया गया। बैठक में दिनेश यादव, जितेंद्र त्रिपाठी, जयचंद, रूबी मिश्रा, रश्मि, पवन कुमार, आशीष शर्मा सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

चाइनीज मांझा काट रहा कनकैया इंसानी जिंदगी के लिए बना खतरा

चाइनीज मांझा की बिक्री रोकने के लिए निकाली जागरूकता रैली, डीएम को दिया गया ज्ञापन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। चाइनीज मांझा से कनकईया उडाने का एक पैटर्न सा बन गया है। जिसे आज युवा पीढ़ी उसे पसंद कर रही है इसका कारण यह है कि इससे उडाने पर सामने वाले की पतंग चाइनीज माझा से कटकर दूर चली जाती है लेकिन यह चाइनीस मांझा किसी की जान भी ले सकता है। ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं जिसमें चाइनीज मांझा से लोगों की मौत व घायल हो चुके हैं। प्रशासन कई बार इस मांझे पर प्रतिबंध का आदेश दे चुका है लेकिन हकीकत में रोक नहीं लग पाई। अब इस बाबत लोगों को जागरूक करने के लिए दुकानदारों व समाजसेवी संगठन का सहयोग लिया जा रहा है।

इस क्रम में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी फर्रुखाबाद द्वारा चाइनीज मांझे के खिलाफ जनजागरूकता रैली निकाली गई।

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था द्य इस दौरान रेडक्रॉस सोसायटी के पदाधिकारी व आमजन ने मार्ग में पड़ने वाली दुकानों और शैक्षिक संस्थानों के बाहर खड़े छात्रों को समझाया कि चाइनीस मांझा का प्रयोग ना करें।

अपर जिला जज ने दुकानदारों को दी चेतावनी

चाइनीज मांझा को लेकर अपर जिला जज संजय कुमार और सदर कोतवाल दर्शन सिंह के साथ नगर में चाइनीज माझा के खिलाफ पतग़ के व्यापारियों से अनुरोध किया कि चाइनीज माझा बेचना और खरीदना दोनों अपराध है द्य उन्होंने कहा कि इस का उपयोग न करे बल्कि इस का बहिष्कार करें।

इस दौरान साथ में व्यापार मंडल के शिवाशीष तिवारी, जिला अध्यक्ष सदानंद शुक्ला, मनोज मिश्रा अध्यक्ष , हिन्दू महा सभा के विमलेश पांडेय , विशाल भाई , रोहन मिश्रा, आर्यन वर्मा और रेड क्रॉस सोसायटी के जिला अध्यक्ष शीश मल्होत्रा आदि रहे।

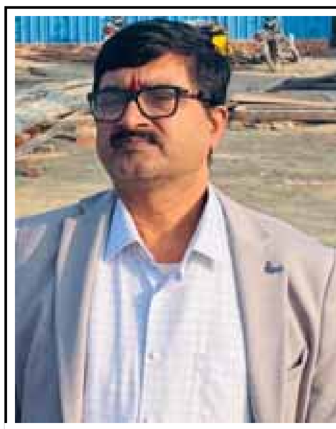
आशुतोष कुमार द्विवेदी, जिलाधिकारी

अपर जिला जज अन्य अधिकारियो के साथ निकले

चाइनीस मांझा बेचने वाले जाएंगे जेल

सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय ने चेतावनी दी है कि यदि पतंग की दुकानों पर चाइनीज मांझा मिलेगा तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं सदर कोतवाली पुलिस ने एक दुकानदार मोहल्ला सलावत निवासी टिंकू को दो प्लास्टिक के बोरो मे 45 चरखी प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचते हुए गंगादरवाजा अंगूरीबाग मोबाइल टांवर के निकट से गिरफ्तार किया ।

चाइनीस मांझा पर रोक लगाने को दिया ज्ञापन

चाइनीस मांझा को लेकर जिला महिला उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। मांग की गई कि चाइनीस मांझा बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ करवाई ही नहीं बल्कि दुकान सील की जाए।

झांसी-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग बनेगा 6-लेन

» हाइवे के विस्तार से बुंदेलखंड के विकास को मिलेगी नई रफ्तार

मध्य प्रदेश और मुंबई झांसी जाने को मिलेगी सहूलियत

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी/कानपुर। बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। झांसीङ्ककानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-27 को वर्तमान 4-लेन से बढ़ाकर 6-लेन करने की स्वीकृति मिल गई है। इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास, यातायात सुविधा और औद्योगिक विस्तार को नया आयाम मिलेगा।

लगभग 228 किलोमीटर लंबे इस राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण का कार्य दो चरणों में किया जाएगा। प्रथम चरण में झांसी से उरई तक तथा द्वितीय चरण में उरई से बारा तक 6-लेन सड़क का निर्माण किया जाएगा।

इस परियोजना से झांसी-ललितपुर संसदीय क्षेत्र सहित पूरे बुंदेलखंड में आवागमन सुगम होगा। वर्तमान में इस मार्ग पर मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से आने वाले भारी वाहनों के कारण जाम और दुर्घटनाओं की समस्या बनी रहती है। 6-लेन होने के बाद यातायात का दबाव कम होगा और सड़क सुरक्षा में भी सुधार आएगा।

सांसद अनुराग शर्मा ने बताया कि झांसीङ्ककानपुर हाईवे क्षेत्र की जीवनरेखा है और समय के साथ इस पर यातायात कई गुना बढ़ चुका है। 6-लेन परियोजना से न केवल यात्रा समय घटेगा, बल्कि उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को डिफेंस कॉरिडोर के माध्यम से बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए एक लिंक हाईवे निर्माण का प्रस्ताव है।

इससे औद्योगिक इकाइयों को सीधी हाई-स्पीड कनेक्टिविटी मिलेगी और स्थानीय युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को परियोजना से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके। झांसीङ्ककानपुर मार्ग का 6-लेन होना बुंदेलखंड के आर्थिक और सामाजिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रदेश के राजभवन का नाम बदलकर अब जन भवन

» राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम परिवर्तन

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम बदल दिया गया है। अब तक 'राज भवन' के नाम से पहचाने जाने वाले इस आवास को 'जन भवन' कहा जाएगा। नया नाम तत्काल प्रभाव से सभी शासकीय और वैधानिक कार्यों में लागू होगा। गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा राज्यपाल के आधिकारिक आवासों के नामकरण के मानकीकरण के संबंध में निर्गत निर्देशों के अनुपालन में, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम परिवर्तन किया गया है। पूर्व में 'राज भवन' के नाम से ज्ञात राज्यपाल के आधिकारिक आवास को अब 卐जन भवन卐 नाम दिया गया है। उक्त निर्देश के क्रम में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का आधिकारिक आवास तत्काल प्रभाव से समस्त शासकीय एवं वैधानिक प्रयोजनों के लिए 'जन भवन' के नाम से अभिहित व संबोधित किया जाएगा।

मीडिया का मुखौटा, उगाही का बेखौफ नेटवर्क

कैमरा, कार्ड और काली कमा

बाराबंकी में बेनकाब हुआ डिजिटल ब्लैकमेल का साम्राज्य

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या/बाराबंकी।जिसे लोग पत्रकारिता समझ रहे थे, वह असल में डर, धमकी और उगाही का संगठित धंधा निकला। बाराबंकी पुलिस की हालिया कार्रवाई ने न सिर्फ एक यूट्यूब ब्लैकमेलिंग गैंग को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाया, बल्कि डिजिटल दौर की उस खतरनाक सच्चाई को भी उजागर किया, जिसमें माइक और कैमरा अब सच के नहीं, सौदेबाजी के औजार बन चुके हैं। महिला यूट्यूबर रूबी अवस्थी समेत चार लोगों की गिरफ्तारी कोई सामान्य पुलिस कार्रवाई नहीं है। यह उस अपराध श्रृंखला का पर्दाफाश है, जो खुद को ÷पत्रकार÷ बताकर गांव-गांव घूमती थी, फर्जी खबरों का डर दिखाती थी और फिर चुप्पी की कीमत वसूलती थी। पशु तस्करी, अवैध कारोबार, सरकारी मिलीभगत जैसे आरोप सब एक तैयार स्क्रिप्ट का हिस्सा थे।

कैसे चलता था 'यूट्यूब ब्लैकमेल मॉडल'

सूत्रों के मुताबिक गिरोह पहले संभावित शिकार की रेकी करता था। फिर मोबाइल कैमरा ऑन कर वीडियो शूट, उसके बाद वायरल करने की धमकी। अगला स्टेप होता था समझौता खबर नहीं चलेगी, बदनामी नहीं होगी, लेकिन रकम देनी पड़ेगी। यह पत्रकारिता नहीं, सीधा रंगदारी का डिजिटल संस्करण था।

गिरफ्तार अभियुक्तों में विशाल गुप्ता और मनीष कुमार उर्फ सम्राट जैसे नाम शामिल हैं, जिनका आपराधिक इतिहास पहले से दर्ज है। गैंगस्टर एक्ट, हिस्ट्रीशीटर इन तमगों के बावजूद ये लोग खुद को 'न्यू मीडिया पत्रकार' बताकर खुलेआम घूमते रहे।

सवाल यह नहीं कि ये पत्रकार कैसे बने, सवाल यह है कि इन्हें रोका क्यों नहीं गया?

थाना सफदरगंज क्षेत्र के ग्राम औलियालालपुर गौशाला में दबिश के दौरान पुलिस ने जिस तरह इस गिरोह को रंगे हाथ पकड़ा, उसने साफ कर दिया कि यह नेटवर्क कितना बेखौफ था। कार, मोबाइल फोन और डिजिटल कंटेंट सब कुछ इस बात की गवाही दे रहा है कि अपराध अब फाइलों में नहीं, फोल्डरों और मेमोरी कार्ड में छिपा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर ब्लैकमेलिंग और अवैध वसूली करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। यह बयान जितना जरूरी है, उतनी ही जरूरी है लगातार निगरानी। क्योंकि एक गिरोह के पकड़े जाने से पूरा नेटवर्क खत्म नहीं होता। इस पूरे मामले का सबसे कड़वा सच यह है कि कुछ अपराधियों ने पत्रकारिता जैसे पेशे को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। असली पत्रकार सवाल पूछते हैं, ये सौदा करते हैं। असली पत्रकार सत्ता से टकराते हैं, ये कमजोरों को डराते हैं। बाराबंकी की यह कार्रवाई सिर्फ चार लोगों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि एक चेतावनी है पत्रकारिता के नाम पर ब्लैकमेलिंग अब बर्दाश्त नहीं होगी।

चौक सब्जी मंडी में फिर गरजा प्रशासन का बुलडोजर

» मल्टीलेवल पार्किंग के लिए हटाया गया अतिक्रमण

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र स्थित चौक सब्जी मंडी में एक बार फिर प्रशासन का बुलडोजर चला। प्रस्तावित मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण को लेकर नगर निगम द्वारा चिन्हित भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को अयोध्या विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम ने हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति रही।चौक क्षेत्र में बन रहे मल्टीलेवल कॉम्प्लेक्स के समीप अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और सिटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। मौके पर सीओ सिटी श्रीयस त्रिपाठी और नगर कोतवाल अश्वनी पाण्डेय भारी पुलिस बल के साथ तैनात रहे, ताकि किसी भी तरह की कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न न हो।

अयोध्या विकास प्राधिकरण के ओएसडी महेंद्र कुमार सिंह और सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार ने बताया कि चौक क्षेत्र में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए पहले चरण में अधिकांश अतिक्रमण हटा दिए गए थे और अतिक्रमणकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत वैकल्पिक आवास भी उपलब्ध कराया गया था। इसके बावजूद लगभग 20 परिवारों द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान कुछ महिलाओं ने विरोध भी जताया। एक महिला ने प्रशासन से मांग की कि उन्हें उसी स्थान पर प्रधानमंत्री आवास दिया जाए, जहां वे वर्तमान में रह रही हैं, अन्यत्र आवास स्वीकार नहीं किया जाएगा। हालांकि प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई जनहित और विकास कार्यों को ध्यान में रखते हुए की जा रही है और इसे रोका नहीं जा सकता।

विवादित निर्मला हॉस्पिटल को हाईकोर्ट से मिली राहत

जनविश्वास की कसौटी पर खरा उतरना अब भी कायम

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।अयोध्या स्थित निर्मला हॉस्पिटल को इलाहाबाद हाईकोर्ट से विधिक राहत मिली है। न्यायालय के इस फैसले का पूरा सम्मान किया जाना आवश्यक है, क्योंकि न्यायपालिका का हर आदेश संविधान और कानून की मर्यादा के तहत होता है। हालांकि, कोर्ट की इस राहत के बावजूद निर्मला हॉस्पिटल को लेकर उठते रहे सवाल और जनआक्रोश पूरी तरह थमा नहीं है।

बता दे कि निर्मला हॉस्पिटल पर बीते वर्षों में इलाज में लापरवाही, कथित रूप से घटिया चिकित्सकीय सेवाएं और मरीजों के साथ दुर्व्यवहार जैसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं। कई मामलों में मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग के समक्ष शिकायतें दर्ज कराई, जिनसे यह मामला सार्वजनिक बहस का विषय बना।हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने उन्हें राहत प्रदान की है। यह राहत पूरी तरह विधिक प्रक्रिया के तहत दी गई है और इसे न्यायिक व्यवस्था पर भरोसे के रूप में देखा जाना चाहिए। अदालत का यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि किसी भी मामले में अंतिम फैसला सबूतों और कानून के आधार पर ही होता है, न कि जनभावनाओं के दबाव में। हालांकि, कोर्ट के फैसले के बाद भी स्थानीय नागरिकों और पीड़ित परिवारों की चिंताएं खत्म नहीं हुई हैं। उनका कहना है कि न्यायिक राहत अलग विषय है, लेकिन अस्पताल की सेवाओं की गुणवत्ता और जवाबदेही का प्रश्न अब भी बना हुआ है। लोगों का मानना है कि कानूनी राहत के साथ-साथ नैतिक जिम्मेदारी निभाना भी उतना ही जरूरी है।

यह मामला केवल एक अस्पताल तक सीमित नहीं है, बल्कि अयोध्या की संपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था की निगरानी और जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के लिए यह जरूरी हो जाता है कि वे अदालत के फैसले का सम्मान करते हुए भी जनहित से जुड़े पहलुओं पर गंभीरता से ध्यान दें। हाईकोर्ट का फैसला कानून की दृष्टि से अंतिम और सम्माननीय है, लेकिन जनविश्वास की बहाली के लिए अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन को पारदर्शिता, गुणवत्ता और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ना होगा। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या इस विधिक राहत के बाद भी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और शिकायतों के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाते हैं या नहीं।

गुजरात तट के पास अरब सागर में उठे रहस्यमयी बुलबुले

वायरल वीडियो के बाद हाई अलर्ट, मछुआरों की एंट्री रोकी गई

स्वराज इंडिया न्यूज़ डेस्क

अहमदाबाद। गुजरात तट के समीप अरब सागर में समुद्र की सतह से अचानक बुलबुले उठने और पानी के उबाल जैसी असामान्य गतिविधि सामने आने से हड़कंप मच गया है। मछुआरों द्वारा रिकॉर्ड किए गए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें समुद्र के एक बड़े हिस्से में लगातार हलचल और गैस जैसी संरचनाएं सतह पर आती दिखाई दे रही हैं। घटना सामने आने के बाद प्रशासन ने एहतियातन हाई अलर्ट जारी कर दिया है। संबंधित समुद्री क्षेत्र में मछुआरों के जाने पर अस्थायी रोक लगा दी गई है, जबकि वहां से गुजरने वाले जहाजों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, यह इलाका मछली पकड़ने के प्रमुख क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट के काफी नजदीक बताया जा रहा है, जिससे सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है।

- गैस रिसाव या भूगर्भीय हलचल की आशंका, विशेष टीमें जांच में जुटीं

भूकंपीय संवेदनशीलता भी कारण

अधिकारियों के मुताबिक, संबंधित समुद्री क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में प्राकृतिक गैस के दबाव से सतह पर बुलबुले उठने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। फिलहाल स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। तब तक सुरक्षा के मद्देनज़र सभी एहतियाती कदम लागू रहेंगे।

सामान्य घटनाओं से अलग और गंभीर

पालघर जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम के अनुसार, प्रारंभिक आकलन में यह घटना समुद्र तल से गैस रिसाव, भूगर्भीय गतिविधि या फिर समुद्र में बिछी तेल-गैस पाइपलाइन में किसी तकनीकी खराबी के कारण हो सकती है। उन्होंने इसे सामान्य घटनाओं से अलग और गंभीर बताते हुए तत्काल वैज्ञानिक जांच की जरूरत पर जोर दिया।

जांच में जुटीं एजेंसियां

इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इंफॉर्मेशन सर्विसेज (INCOIS) की एक विशेष टीम को मौके पर भेजा गया है। टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह प्राकृतिक रूप से समुद्र तल से निकलने वाली मीथेन गैस है या फिर मुंबई हाई क्षेत्र से जुड़ी किसी तेल-गैस पाइपलाइन में रिसाव का मामला।

एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने नासा को कहा अलविदा

सुनीता ने कहा भारत वापस आना घर वापसी जैसा महसूस हुआ

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

नई दिल्ली। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने नासा (NASA) को अलविदा कह दिया है। उन्होंने 27 साल बाद अमेरिकी स्पेस एजेंसी से रिटायरमेंट ले लिया है. नासा ने ऐलान किया कि विलियम्स का रिटायरमेंट बीते साल 27 दिसंबर से ही प्रभावी हो गया है। 8 दिन की आखिरी यात्रा पर अंतरिक्ष में गईं विलियम्स करीब 9 महीने के बाद लौट सकी थीं. फिलहाल, वह भारत में हैं.

अमेरिकी नौसेना की पूर्व कैप्टन विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहियो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे, जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनिया की थीं। नासा एडमिनिस्ट्रेटर जेरेड आइजैकमैन ने कहा, 'सुनी विलियम्स मानव अंतरिक्ष यान में एक पायनियर रही हैं. उन्होंने स्पेस स्टेशन पर अपने नेतृत्व के जरिए एक्सप्लोरेशन के भविष्य को नया आकार दिया है और लो अर्थ ऑर्बिट के लिए मिशनों के लिए रास्ता तैयार किया है'। उन्होंने कहा कि विलियम्स की उपलब्धियां पीढ़ियों को बड़ा सपना देखने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा, 'आपके रिटायरमेंट पर शुभकामनाएं और नासा और देश के प्रति आपकी सेवा के लिए धन्यावाद'। अमेरिकन सेंटर में आयोजित लगभग एक घंटे के संवाद सत्र में शामिल होने से पहले, विलियम्स ने अपने संक्षिप्त प्रारंभिक संबोधन में यह भी कहा कि भारत वापस आना घर वापसी जैसा महसूस हुआ, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था. उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष में उन्होंने सबसे पहले भारत और स्लोवेनिया को खोजा था। विलियम्स ने कहा, 'आईएसएस पर रूस, जापान, यूरोप, कनाडाज्और कई अन्य देशों के साथी थे। (ग्रुप) कैप्टन (शुभांशु) शुक्ला मेरे कुछ समय बाद आए थे. मुझे बहुत अफसोस है कि मैं वहां रहते हुए उनसे नहीं मिल पाई।

सुनीता विलियम्स का नासा सफर

- विलियम्स साल 1998 में नासा के लिए चुनी गईं थीं
- उन्होंने तीन मिशनों के तहत कुल 608 दिन अंतरिक्ष में बिताए
- उन्होंने 9 बार कुल 62 घंटे 6 मिनट अंतरिक्ष में चहलकदमी की
- किसी भी महिला एस्ट्रोनॉट के लिहाज से NASA के इतिहास में चौथा बड़ा रिकॉर्ड है
- वह स्पेस में मैराथन में भाग लेने वाली भी पहली यात्री हैं

जय राम रमेश ने गिनाए ट्रंप के दावे भारत-पाक मुद्दे पर उठाए सवाल

- ट्रंप ने फिर कहा मैंने 10 महीनों में 8 युद्ध रुकवाए, भारत-पाक परमाणु जंग के करीब थे
- जयराम रमेश बोले ट्रंप 70वीं बार कर चुके हैं दावा, पीएम मोदी अब तक क्यों हैं खामोश?

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ सैन्य संघर्ष उन्होंने ही रुकवाया था। ट्रंप के इस बयान के बाद भारतीय राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोला है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ट्रंप भारत-पाक संघर्ष रुकवाने का दावा अब 70वीं बार कर चुके हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कल तक यह संख्या 68 थी, फिर 69 हुई और अब सीधे 70 तक पहुंच गई है। रमेश ने लिखा कि यह वही व्यक्ति है जिसे प्रधानमंत्री का करीबी दोस्त बताया जाता है और जिन्हें कई बार ÷जबरन झप्पी÷ भी मिल चुकी है, लेकिन इसके बावजूद प्रधानमंत्री इस दावे पर चुप्पी साधे हुए हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि ट्रंप ने व्हाइट हाउस की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुरुआती बयान और सवाल-जवाब के दौरान यह दावा दोहराया कि 10 मई 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' को अचानक और अप्रत्याशित रूप से उन्होंने ही रुकवाया था। ट्रंप का यह भी कहना है कि उन्होंने पिछले 10 महीनों में कुल 8 युद्ध रुकवाए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने आगे दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान

8 विमान मार गिराए गए थे और दोनों देश परमाणु युद्ध की ओर बढ़ रहे थे। ट्रंप के मुताबिक, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भी अमेरिका आकर कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप ने एक करोड़ या उससे ज्यादा लोगों की जान बचा ली।

गौरतलब है कि पिछले साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मई महीने में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव और सीमित संघर्ष की स्थिति बनी थी। अब ट्रंप के बार-बार किए जा रहे दावों और कांग्रेस के हमलों के बीच यह मुद्दा एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में आ गया है।